AC – 20/05/2025
Item No- 5.2 (N) (Sem III)

As Per NEP 2020

University of Mumbai

Syllabus for Basket of OE Vertical 3	
Faculty of - HUMANITIES	
Board of Studies in HINDI	
Second Year Programme	
Semester	**III**
Title of Paper	**Credits**
I) हिंदी नाटक और रंगमंच	**4**
From the Academic Year	**2025-26**

Title of Paper - हिंदी नाटक और रंगमंच

Sr. No.	Heading	Particulars
1	**Description of the course:**	नाटक दृक-श्राव्य विधा है। नाटक सदैव घटनाओं पर आधरित होते हैं। रंगमंच एवं नाटक का गहरा नाता है, या यों कहें एक-दूसरे के पूरक हैं। रंगमंच ही नाटक को आकार देता है, उसे जीवंत बनाकर कलात्मक कौशल का कलेवर प्रस्तुत करता है। विद्यार्थियों को नाटक द्वारा हिंदी की नाट्य साहित्य-परंपरा बोध प्राप्ति के साथ नाटकीय रचनात्मक कौशल में वृद्धि होगी। भारतीय नाट्य-कला की मूल्य परंपरा को समझने तथा जीवन की कलात्मक संरचना को पहचानने की एक दृष्टि प्राप्त होगी। विद्यार्थी सामाजिक जीवन जीते हुए अनेक स्तर पर नाटक के अनुभव, विचार, चिंतन आदि के माध्यम से जीवन में परिवर्तन भी लाते हैं। साहित्य, संस्कृति का एक व्यापक हिस्सा है, जिसके बिना समाज का व्यवहार असंभव होता है। नाट्य-साहित्य में जीवन-मूल्यों के साथ संवेदना, अनुभूति और यथार्थ जुड़ाव है। उच्चतम मानवीय मूल्यों का वास्तविक संवाहक नाटक है और उच्च शिक्षा के दौरान साहित्य के माध्यम से यही समस्त गुण-मूल्य, आचरण विद्यार्थियों के मानस में उतरते हैं एवं विद्यार्थी एक बेहतर नागरिक बनने के साथ सामाजिक, राष्ट्रीय निर्माण में अपना विशेष योगदान देता है।
2	**Vertical:**	OE
3	**Type:**	Theory
4	**Credit**:	4 credits (1 credit = 15 Hours for Theory)
5	**Hours Allotted:**	60 Hours
6	**Marks Allotted**:	100 Marks
7	**Course Objectives:** 1. विद्यार्थियों को नाट्य कला, रंगमच के मानवीय कौशल से अवगत कराना। 2. विद्यार्थियों में नाटक और रंगमंच के प्रति रूचि पैदा करना एवं भारतीय नाट्य परंपरा का बोध प्रदान करना। 3. विद्यार्थियों को यथार्थ और लोकतान्त्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करते हुए उत्तरदायी बनाना। 4. विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल को बढ़ावा देने के साथ रचनात्मकता की ओर ले जाना।	

8	**Course Outcomes:** 1. विद्यार्थियों का नाट्य-साहित्य से परिचय होने के साथ रुचि-निर्माण एवं संवर्धन होगा। 2. विद्यार्थियों के भाषिक अभिव्यक्ति कौशल का संवर्धन होने के साथ लोक रुचि में परिवर्तन आएगा। 3. विद्यार्थियों को नाटक और रंगमंच की जानकारी प्राप्त होते हुए सिनेमा के दौर में रंगमच का महत्व उजागर होगा। 4. विद्यार्थियों में समीक्षात्मक दृष्टि से स्थानीय और वैश्विक संदर्भों को जानने की उत्सुकता का विकास होगा। 5. विद्यार्थियों को लोकतान्त्रिक शक्तियों की पहचान होगी।
9	Modules (Per credit one module can be created)
	1. पुस्तक (नाटक) का नाम- **मुआवज़े- (नाटककार- भीष्म साहनी)** प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2. पुस्तक (नाटक) का नाम- **रक्त कमल- (नाटककार- लक्ष्मीनारायण लाल)** प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
	इकाई- 1 **व्याख्यान-15** **क्रेडिट-01**
	1. रंगमंच : अर्थ, सिद्धांत एवं अवधारणा
	2. रंगमंच : महत्व एवं प्रक्रिया
	3. हिंदी रंगमच : उद्भव और विकास
	इकाई- 2 **व्याख्यान-15** **क्रेडिट-01**
	1. नाटक : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
	2. हिंदी नाटक : तत्व एवं प्रकार
	3. नाटक : उद्भव और विकास
	इकाई- 3 **व्याख्यान-15** **क्रेडिट-01**
	नाटक- मुआवज़े- (नाटककार भीष्म साहनी) व्याख्या विश्लेषण, समीक्षा, समस्याएँ, यथार्थ एवं पात्र-चरित्र चित्रण
	इकाई- 4 **व्याख्यान-15** **क्रेडिट-01**
	नाटक- रक्त कमल- (नाटककार- लक्ष्मीनारायण लाल) व्याख्या विश्लेषण, समीक्षा, समस्याएँ, यथार्थ एवं पात्र-चरित्र चित्रण
10	**संदर्भ ग्रंथ-** 1. डॉ. सुषम बेदी- हिंदी नाट्य प्रयोग के संदर्भ में, पराग प्रकाशन, दिल्ली 2. डॉ. चित्रा गोस्वामी- असंगत हिंदी नाटकों में मनोविज्ञान, भास्कर पब्लिकेशन्स, कानपुर 3. डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल- रंगमंच और नाटककार की भूमिका, साहित्य भवन प्रा.लि.,इलाहाबाद 4. डॉ. तुकाराम पाटील- समसामयिक हिंदी नाटकों में खंडित व्यक्तित्व- राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 5. डॉ वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी- नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान, जगतराम एंड संस, दिल्ली 6. नेमिचंद्र जैन- रंगदर्शन- राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 7. डॉ केदारनाथ सिंह- हिंदी के प्रतीक नाटक और रंगमंच- सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा 8. डॉ. जयदेव तनेजा- हिंदी रंगकर्म : दशा और दिशा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली 9. डॉ. जयदेव तनेजा- नई रंगचेतना और हिंदी नाटककार, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

	10. डॉ. गोविन्द चातक- रंगमंच कला और दृष्टि, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली 11. डॉ. मोहसिन ख़ान- नाटक : विवेचना और दृष्टि, अमन प्रकाशन, कानपुर	
11	**Internal Continuous Assessment : 40%**	**External : Semester End Examination : 60%**
12	**Continuous Evaluation through:** ● रचनात्मक कार्य,/प्रकल्प इत्यादि- 20 अंक ● प्रस्तुति/परिसंवाद सहभागिता इत्यादि- 10 अंक ● अकादमिक, व्यावसायिक एवं कौशल संवर्धन गतिविधियाँ- 10 अंक **कुल= 40 अंक**	**लिखित परीक्षा** **अंक : 60** **समयावधि : 2 घंटे**
13	**Format of Question Paper:** for the semester end examination **अंक : 60** **निर्देश-** 1. चार इकाई में से कुल छह प्रश्न पूछे जाएं। 2. पहला प्रश्न अनिवार्य है। (संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या विकल्प सहित) 15 अंक 3. शेष पांच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 15x3= 45 अंक कुलयोग- **60 अंक**	**लिखित परीक्षा** **समयावधि : 2 घंटे**

Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
Sign of the BOS Chairman **Prof. Dr. Santosh Motwani** **Board of Studies in Hindi**	**Sign of the Offg. Associate Dean** **Dr. Suchitra Naik** **Faculty of Humanities**	**Sign of the Offg. Associate Dean** **Prof. Manisha Karne** **Faculty of Humanities**	**Sign of the Offg. Dean** **Prof. Anil Singh** **Faculty of Humanities**